संख्या-443/2022/2502/002-41-2022-180-Budget-2019

प्रेषक,

संजीव कुमार श्रीवास्तव,
अनु सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

महानिदेशक,
पर्यटन, उ0प्र0
लखनऊ।

पर्यटन अनुभाग **लखनऊ, दिनांक 28 जुलाई, 2022**

विषय:-जनपद प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर धाम में निषादराज पार्क (फेज-1) के पर्यटन विकास कार्य के सम्बन्ध में।

महोदय,

उयुक्त विषयक अपने पत्र संख्या-4044/6-1-1(990)/2018, दिनांक 25.10.2021 का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें।

2. राज्य योजना के अन्तर्गत जनपद प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर धाम में निषादराज पार्क के निर्माण की परियोजना हेतु चयनित कार्यदायी संस्था उ0प्र0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि0 द्वारा तैयार किये गये आगणन की धनराशि के सापेक्ष मूल्यांकित लागत के अनुसार तालिका में अंकित शासनादेशों द्वारा निम्न विवरणानुसार प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गयी है:-

क्र0 सं0	वित्तीय वर्ष	शासनादेश संख्या व दिनांक	प्रशासकीय स्वीकृति (रूपये लाख में)	वित्तीय स्वीकृति (रूपये लाख में)
1	2020-21	सं0-282/2020/2477/41-2020-180(बजट)/2019, दिनांक 26.11.2020	1449.04 (जी0एस0टी0 सहित)	225.00
2	2021-22	सं0-165/2022/740/41-2022-180(बजट)/2019, दिनांक 25.03.2022	-	119.98
3	2022-23	सं0-376/2022/1710/001-41-2022-180(बजट)/2019, दिनांक 17.06.2022	-	28.01
कुल योग				**372.99**

2. प्रकरण में आपके उक्त पत्र दिनांक 25.10.2021 द्वारा यह उल्लेख करते हुए कि महानिदेशक, पर्यटन, उ0प्र0 की अध्यक्षता में दिनांक 24.08.2021 को आहूत समीक्षा बैठक में दिये गये निर्देश के क्रम में क्षेत्रीय पर्यटक अधिकारी, प्रयागराज मण्डल के पत्र दिनांक 20.11.2021 के साथ श्रृंगवेरपुर धाम में निषादराज पार्क के निर्माण कार्य हेतु कार्यदायी संस्था उ0प्र0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि0 यूनिट-2 प्रयागराज द्वारा धनराशि रू0 1390.00 लाख का पुनरीक्षित आगणन उपलब्ध कराते हुए उसकी प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान किये जाने का अनुरोध किया गया है।

3. अत: उक्त के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि जनपद प्रयागराज के श्रृंगवेरपुर धाम में निषादराज पार्क (फेज-1) का पर्यटन विकास (उच्च विशिष्टियों के कार्यों सहित) हेतु कार्यदायी संस्था उ0प्र0 प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि0 द्वारा गठित पुनरीक्षित आगणन रू0 1390.00 लाख के सापेक्ष प्रायोजना रचना एवं मूल्यांकन प्रभाग द्वारा आंकलित लागत रू0 1313.16 लाख (रूपये तेरह करोड़ तेरह लाख सोलह हजार मात्र, जी0एस0टी0 सहित) **की संशोधित प्रशासकीय स्वीकृति एवं चतुर्थ किश्त के रूप में रू0 470. 00 लाख (रूपये चार करोड़ सत्तर लाख) की वित्तीय स्वीकृति** निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन श्री राज्यपाल सहर्ष प्रदान करते हैं:-

(1) प्रश्नगत परियोजना में उच्च विशिष्टियों के कार्यों के सम्बन्ध में क्रियान्वयन से पूर्व कार्यदायी संस्था द्वारा उक्त कार्यों हेतु प्रतिस्पर्धात्मक आधार पर दरें प्राप्त कर निर्माण कार्य सुसंगत वित्तीय नियमों के आधार पर किये जाने विषयक पर्यटन अनुभाग के शासनादेश संख्या-417/2022/1320/41-2022-180(बजट)/2019 टी0सी0, दिनांक 06 जुलाई, 2022 में दिये गये दिशानिर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।

2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up. gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।

(2) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय वित्त (आय-व्ययक), अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या 15/2021/बी-1-829/दस-2021-231/2022, दिनांक 30.12.2021, कार्यालय ज्ञाप संख्या: 5/2022/बी-1-224/दस-2022-231/2022 दिनांक-29 मार्च 2022 तथा वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-13/ 2022/ बी-1-454/दस-2022-231/2022, दिनांक- 07-जून 2022 में निहित शर्तों एवं प्रावधानों के अन्तर्गत ही सुनिश्चित किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि जिस कार्य/मद हेतु प्रदान की जा रही है उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्यमद हेतु किया जायेगा।

(3) यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित किया जायेगा कि कार्यों की गुणवत्ता उच्चकोटि की हो तथा समय-समय पर कार्यदायी संस्था द्वारा कराये जा रहे निर्माण कार्यों का पर्यवेक्षण (मानीटरिंग) महानिदेशक, पर्यटन द्वारा सुनिश्चित कराया जाय। स्वीकृत धनराशि कोषागार से आहरित कर आहरण के बाउचर संख्या एवं तिथि की सूचना शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

(4) स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा वित्त विभाग के संगत नियमों के अनुसार किया जायेगा। प्रश्नगत निर्माण कार्य हेतु अवमुक्त की जा रही धनराशि के सापेक्ष आहरण एवं वितरण अधिकारी द्वारा दो माह की आवश्यकता के लिए आवश्यक धनराशि कोषागार से आहरण कर कार्यदायी संस्था को उपलब्ध करायी जायेगी तथा कार्यदायी संस्था द्वारा प्राप्त धनराशि का 75 प्रतिशत उपयोग करने के उपरान्त अगले दो माह के लिए पुन: आवश्यक धनराशि कोषागार से आहरित कर दी जायेगी। इसका अनुपालन महानिदेशक, पर्यटन द्वारा सुनिश्चित कराया जायेगा।

(5) प्रश्नगत परियोजना में होने वाले निर्माण कार्य के सम्बन्ध में यह सुनिश्चित कर लिया जाय कि निर्माण कार्य आगणन के अनुरूप उसके तकनीकी अनुमोदन के अनुसार किया गया है तथा परियोजना को कार्यदायी संस्था से हस्तगत कराने से पूर्व समस्त औपचारिकताओं को पूर्ण करा लिया जायेगा एवं निर्मित परिसम्पत्ति का समुचित रख-रखाव सुनिश्चित किया जायेगा एवं इसकी अद्यतन प्रगति रिपोर्ट ई-परियोजनाओं की समीक्षा के पोर्टल पर अंकित कराते हुए शासन को अवगत कराया जायेगा।

(6) परियोजना में टाइम ओवर-रन/कास्ट ओवर-रन को नियन्त्रित करने के सम्बन्ध में वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-1 के शासनादेश संख्या-07/2017/बी-1-823/दस-2017-एम-04/2017 दिनांक 21 जून, 2017 में दिये गये निर्देशों तथा बजट मैनुअल के प्रस्तर-212 (VII) में दिये गये निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

(7) परियोजना में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी। स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र भी निर्धारित प्रपत्र पर सक्षम स्तर से शासन एवं महालेखाकार, प्रयागराज को अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा। सोशल आडिट से सम्बन्धित व्यवस्था/नियमों का भी पूर्णतया अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। परियोजना में निर्माण कार्य की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कार्यदायी संस्था की होगी।

(8) यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उपरोक्तांकित स्वीकृत योजनान्तर्गत कार्यों हेतु किसी अन्य स्रोतों से धनराशि प्राप्त न की गयी हो। यह भी सुनिश्चित किया जायेगा कि इस योजना की वर्तमान तथा भविष्य में अन्य योजनाओं में द्विरावृत्ति/पुनरावृत्ति न हो और इसके रख-रखाव हेतु राज्य सरकार के ऊपर व्यय-भार न पड़े। कार्यदायी संस्था से कार्य की समाप्ति के पश्चात सम्प्रेक्षित लेखे अनिवार्य रूप से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जाय।

(9) अवमुक्त की जा रही धनराशि का आहरण एवं व्यय आवश्यकतानुसार तथा नियमानुसार किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि को बैंक खाते आदि में नही रखा जायेगा। कार्यदायी संस्था द्वारा शासकीय धन पर यदि ब्याज अर्जित किया गया है तो उसे अनिवार्य रूप से राजकोष में जमा कराना सुनिश्चित किया जाय। यह भी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कर लिया जायेगा कि आगणन में बाट आउट एवं प्रोप्राइटरी श्रेणी के कार्यों पर सेन्टेज का भुगतान अनुमन्य न किया जाय। इसका अनुपालन पर्यटन निदेशालय एवं कार्यदायी संस्था द्वारा सुनिश्चित किया जायेगा।

(10) प्रायोजना में **चतुर्थ किश्त** की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति कार्यदायी संस्था एवं पर्यटन निदेशालय द्वारा उपलब्ध करायी गयी सूचना/विवरण के आधार पर प्रदान की जा रही है। यदि परियोजना के मानक के सम्बन्ध में कोई सूचना गलत पायी जाती है तो इसका पूर्ण उत्तदायित्व कार्यदायी संस्थाएवं पर्यटन निदेशालय एवं क्षेत्रीय अधिकारियों का होगा। प्रश्नगत परियोजना हेतु अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष वास्तविक रूप से व्यय की गयी धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र/कार्य की गुणवत्ता एवं फोटोग्राफ्स प्रतिहस्ताक्षरित कराते हुये (तिथि सहित) सक्षम स्तर से प्राप्त कर शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

1- **यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।**

2- **इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट** http://shasanadesh.up. gov.in **से सत्यापित की जा सकती है ।**

(11) महानिदेशक पर्यटन द्वारा कार्य पूर्ण होने के उपरान्त कार्यदायी संस्था से सम्प्रेक्षित लेखे अवश्य प्राप्त किये जायेंगे।

6. इस संबंध में होने वाला व्यय रुपये 4,70,00,000 (रुपये चार करोड़ सत्तर लाख मात्र) को चालू वित्तीय वर्ष 2022-23 के आय-व्ययक मे **अनुदान संख्या** 044 **लेखा शीर्षक** 5452801040800 मुख्यमंत्री पर्यटन स्थलों का विकास **मानक मद** 24 वृहत् निर्माण कार्य के नामे डाला जायेगा।

7. यह आदेश वित्त (आय - व्ययक) अनुभाग-1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या-13/ 2022/बी-1-454/दस-2022-231/2022, दिनांक-07-जून 2022 में प्रशासकीय विभाग को उक्तवत प्रतिनिधनित अधिकार के अंतर्गत निर्गत किये जा रहे है।

भवदीय,

(संजीव कुमार श्रीवास्तव)
अनु सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1- प्रधान महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
2- महालेखाकार (लेखा-परीक्षा) प्रथम/द्वितीय, उ0प्र0, प्रयागराज।
3- मुख्य कोषाधिकारी ,जवाहर भवन, लखनऊ।
4- श्री दिनेश कुमार उप निदेशक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
5- वित्त नियंत्रक, पर्यटन निदेशालय, लखनऊ।
6- प्रबन्ध निदेशक, उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन, लखनऊ।
7- परियोजना प्रबन्धक, उ0प्र0 प्रोजेक्ट कारपोरेशन लि0 (यूपीपीसीएल), तेलियरगंज, प्रयागराज।
8- वित्त (व्यय-नियंत्रण) अनुभाग-7
9- उप निदेशक ,पर्यटन ,प्रयागराज।
10- वेब अधिकारी, पर्यटन विभाग ।
11- गार्ड-फाइल।

आज्ञा से,

(संजीव कुमार श्रीवास्तव)
अनु सचिव।

http://shasanadesh.up.nic.in

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up. gov.in से सत्यापित की जा सकती है ।